B.A. (Honours) Examination, 2018
Semester-II
Hindi (Honours)
Course : H-3 (Old)
(मध्यकालीन कविता: भाग-2)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 2×8=16

(क) अरे अरे बचन कहां तोर बासा। औ कहं हुतें तोर परगासा।
और कहं हुत उतपति भइ तोरी। जहां नाहिं संचरति बुधि मोरी।
अचरिजु एक मोरे चित अहई। कोउ न अरथ ताहि कर कहई।
बचन केर उतपति मुह सेऊं। मानुष बोल अम्बर दहुं केऊं।
रहै न बचन केर पति जहां। कैसें बचन अम्बर होइ तहां।
देखहु मनहि बिचारि कै बचन बचन हिय मांह।
बचन ऐस है ताकर जो बर्तत सभ मांह।।

(ख) कारे-बरन डरावने कत आवत इहिं गेह।
कै वा लखी, सखी लखैं लगै थरथरी देह।।
कर के मीड़े कुसुम लौं गई बिरह कुम्हिलाइ।
सदा-समीपिनि सखिनु हूँ नीठि पिछानी जाइ।।

(ग) सक्र जिमि सैल पर अर्क तम फैल पर बिघन की रैल पर लंबोदर लेखिए।
राम दसकंध पर भीम जरासंध पर भूषन ज्यों सिंधु पर कुंभज विसेखिए।
हर ज्यों अनंग पर गरूड़ भुजंग पर कौख के अंग पर पारथ ज्यों पेखिए।
बाज ज्यों बिहंग पर सिंह ज्यों मतंग पर म्लेच्छ चतुरंग पर सिवराज देखिए।।

(घ) अंजन सुरंग जीते खंजन, कुरंग, मीन,
नैक न कमल उपमा कौ नियरात है।
नीके, अनियारे, अति चपल, ढरारे, प्यारे,
ज्यौं-ज्यौं मैं निहारे त्यौं त्यौं खरौ ललचात है।।
सेनापति सुधा से कटाच्छनि बरसि ज्यावैं,
जिनकौं निरखि हियौ हरषि सिरात है।
कान लौं बिसाल, काम भूप के रसाल, बाल
तेरे दृग देखे मेरौ मन न अघात है।।

P.T.O.

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए : 2×12=24

(क) पठित अंशों के आधार पर 'मधुमालती' में वर्णित प्रेम संबंधी विचारों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) बिहारी की शृंगार-भावना पर प्रकाश डालिए।

(ग) पठित अंशों के आधार पर भूषण की कविताओं की विशिष्टता पर प्रकाश डालिए।

(घ) पठित अंशों के आधार पर सेनापति के ऋतु-वर्णन की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।